NCERT SOLUTIONS

CLASS - 6TH

aglasem.com

Class : 6th

Subject : हिन्दी

Chapter : 8

Chapter Name : ऐसे - ऐसे

Q1 'सड़क के किनारे एक सुंदर फ्लैट में बैठक का दृश्य। उसका एक दरवाज़ा सड़क वाले बरामदे में खुलता है... उस पर एक फ़ोन रखा है। इस बैठक की पूरी तसवीर बनाओ।

Answer. बैठक की आगे का बिम्ब इस प्रकार है की फर्श पर नीले रंग का अति सुंदर कालीन बिछा हुआ है। जिसके एक तरफ़ सोफा-सेट रखा है। वहीं कोने में एक छोटी सी मेज़ पर टेलिफ़ोन रखा है। दूसरे कोने के टेबल पर फूलदान रखा है; उसमें पीले और गुलाबी रंगों के फूलों के गुच्छे सजे हैं। सोफा-सेट के आगे एक टेबल रखा है; जिस पर अख़बार तथा अन्य किताबें रखी हुई हैं। छत पर एक शीशें का झूमर लगा हुआ है। दरवाजें तथा खिड़की पर पर्दें लगे हुए हैं।

Page : 57, Block Name : एकांकी से

Q2 माँ मोहन के 'ऐसे-ऐसे' कहने पर क्यों घबरा रही थी?

Answer. मोहन को पेट अपने पेट दर्द का असली कारण खुद पता नही था इसीलिए वह ऐसे ऐसे करके बात कर रहा था, वही माँ यह सोच के घबरा रही थी कि कही कुछ गंभीर बात तो नही, जिसके कारण इसका पेट दर्द कर रहा है। अपने बेटे की तकलीफ को देखकर वो घबरा रही थी।

Page : 57 , Block Name : एकांकी से

Q3 ऐसे कौन-कौन से बहाने होते हैं जिन्हें मास्टर जी एक ही बार में सुनकर समझ जाते हैं? ऐसे कुछ

बहानों के बारे में लिखो।

Answer.

ऐसे कुछ बहाने दिए जा रहे हैं जिसे मास्टर जी अच्छी तरह से जानते हैं-

(I)पेट में दर्द होना।

(ii) बिजली का नही होना।

(iii) सिर में दर्द होना।

(iv) चक्कर आना।

aglasem.com

Page : 57, Block Name : एकांकी से

Q1 स्कूल के काम से बचने के लिए मोहन ने कई बार पेट में ऐसे-ऐसे' होने के बहाने बनाए। मान लो, एक बार उसे सचमुच पेट में दर्द हो गया और उसकी बातों पर लोगों ने विश्वास नहीं किया, तब मोहन पर क्या बीती होगी?

Answer. अक्सर स्कूल के काम से बचने के लिए मोहन ने कई बार पेट में ऐसे-ऐसे' होने के बहाने बनाता था, पर जिस दिन उसके पेट में सच में दर्द हुआ होगा उसके लिए लोगों को यकीन दिलाना कठिन होगा क्योंकि सब यही सोच रहे होगें की वह नाटक कर रहा हैं। दर्द से वह विचलित होगा। तब उसे समझ आया होगा की झूठे बहाने नहीं करने चाहिए वरना ज़रूरत पड़ने पर कोई विश्वास नहीं करता। अगर इसकी वजह से उसे ज्यादा परेशानी हो जाएगी तो उसे एहसास होगा कि वो कितना ग़लत था।

Page : 57 Block Name : अनुमान और कल्पना

Q2 पाठ में आए वाक्य 'लोचा-लोचा फिरे है, के बदले ढीला-ढाला हो गया है या बहुत कमज़ोर हो गया है-लिखा जा सकता है लेकिन, लेखक ने संवाद में विशेषता लाने के लिए बोलियों के रंग-ढंग का उपयोग किया है। इस पाठ में इस तरह की अन्य पंक्तियाँ भी हैं; जैसे-

इत्ती नई-नई बीमारियाँ निकली हैं,

राम मारी बीमारियों ने तंग कर दिया,

तेरे पेट में तो बड़ी दाढ़ी है।

अनुमान लगाओ, इन पंक्तियों को दूसरे ढंग से कैसे लिखा जा सकता है।

Answer.

इतनी अलग अलग बीमारियाँ निकली हैं।

इस बीमारी ने तो परेशान ही कर दिया है।

–तुम तो बड़े तेज़ हो।

Page : 57, Block Name :अनुमान और कल्पना

Q3 मान लो कि तुम मोहन की तबीयत पूछने जाते हो। तुम अपने और मोहन के बीच की बातचीत को संवाद के रूप में लिखो

Answer.

मैं-क्या हाल है मोहन, सब ठीक? क्या हो गया?

मोहन- क्या बताऊँ यार, बस पेट में ऐसे-ऐसे हो रहा है।

aglasem.com

मैं-ऐसे-ऐसे मतलब?

मोहन-बस ऐसे-ऐसे।

मैं- डॉक्टर को दिखाया ?

मोहन-हाँ।

मैं- तो क्या कहा उन्होंने फिर?

मोहन-उन्होंने कब्ज और बदहजमी बताया है।

मैं- ओह , कोई नहीं, दवा समय पर खाओ और आराम करो।

मोहन-हाँ, बिल्कुल।

मैं-अब मैं चलता हूँ। कल फिर आऊँगा। ध्यान रखना।

मोहन-अच्छा भाई ! धन्यवाद ।

Page : 57, Block Name :अनुमान और कल्पना

Q4 संकट के समय के लिए कौन-कौन से नंबर याद रखे जाने चाहिए? ऐसे वक्त में पुलिस, फायर ब्रिगेड और डॉक्टर से तुम कैसे बात करोगे? कक्षा में करके बताओ।

Answer. संकट के समय पुलिस, फायर ब्रिगेड और हॉस्पिटल एवं चिकित्सक के नंबर याद रखे जाने चाहिए। पुलिस की नंबर-100, फायर ब्रिगेड की-101, एंबुलेंस की-102 हैं।

हेल्लो!डॉक्टर मैं राम बात कर रहा हूँ, सीता कॉलोनी से क्या आप मेरे घर आ सकते हैं? मेरे दादाजी के छाती में दर्द हो रहा है, उन्हें बहुत ज्यादा तकलीफ हो रही है।

Page : 57, Block Name :अनुमान और कल्पना

Q1 मास्टर- स्कूल का काम तो पूरा कर लिया है?

(मोहन हाँ में सिर हिलाता है।)

मोहन- जी, सब काम पूरा कर लिया है।

इस स्थिति में नाटक का अंत क्या होता? लिखो।

Answer.

मास्टर साहब उसके तकलीफ का कारण पूछेंगे तथा जानने के बाद कि मोहन को सचमुच दर्द हैं। वह तुरंत उसके माता-पिता को सूचना देते और उसे चिकित्सक के पास ले कर जाते।

Page : 57, Block Name : ऐसा होता तो क्या होता

Q2 (क) मोहन ने केला और संतरा खाया।

(ख) मोहन ने केला और संतरा नहीं खाया।

(ग) मोहन ने क्या खाया?

(घ) मोहन केला और संतरा खाओ।

Answer. उपर्युक्त वाक्यों में से पहला वाक्य एकांकी से लिया गया है। बाकी तीन वाक्य देखने में पहले वाक्य से मिलते-जुलते हैं, पर उनके अर्थ अलग-अलग हैं। पहला वाक्य किसी कार्य या बात के होने के बारे में बताता है। इसे विधिवाचक वाक्य कहते हैं। दूसरे वाक्य का संबंध उस कार्य के न होने से है, इसलिए उसे निषेधवाचक वाक्य कहते हैं। (निषेध का अर्थ नहीं या मनाही होता है।) तीसरे वाक्य में इसी बात को प्रश्न के रूप में पूछा जा रहा है, ऐसे वाक्य प्रश्नवाचक कहलाते हैं। चौथे वाक्य में मोहन से उसी कार्य को करने के लिए कहा जा रहा है। इसलिए उसे आदेशवाचक वाक्य कहते हैं। अगले पृष्ठ पर एक वाक्य दिया गया है। इसके बाकी तीन रूप तुम सोचकर लिखो–

(1) बताना : रुथ ने कपड़े अलमारी में रखे।

(i) विधिवाचक वाक्य – रूथ ने कपड़े अलमारी में रखे।

(2) नहीं/मना करना : ……..

(ii) निषेधवाचक वाक्य – रूथ ने कपड़े अलमारी में नहीं रखे।

(3) पूछना : ……..

(iii) प्रश्नवाचक वाक्य – क्या रूथ ने अपने कपड़े अलमारी में रख दिए हैं?

(4) आदेश देना : ……..

(iv) आदेशवाचक वाक्य – रूथ कपड़े अलमारी में रख कर आओ।

Page : 58, Block Name : भाषा की बात

aglasem.com